प्रोग्राम्स चल रहे हैं जिनसे हमारी जो भावी पीढ़ी है, नयी पीढ़ी है उस पर बहुत बुरा असर पड़ सकता है। इस देश में, स्पेशली मुम्बई और दिल्ली में इस समय इंटरनेट यूजर्स के तौर पर इंटरनेट से खेलने वाले, इंटरनेट को खिलौना बनाकर खेलने वाले हमारी नयी पीढ़ी के लड़के हैं, नयी पीढ़ी के लोग हैं, लड़के-लड़कियां हैं। उन पर बहुत बुरा मेसेज जा रहा है।

मेरा सवाल यह है कि आखिर इंटरनेट को रोकने का हमारे पास क्या प्राविजन है क्या मेकेनिज्म है। सेंसरशिप हमारे पास है। हमने बुक्स को सेंसर किया है, किताबों को सेंसर करते हैं, फिल्मों को सेंसर करते हैं लेकिन इंटरनेट को सेंसर करने का हमारे पास इस समय कोई मेकेनिज्म नहीं है। वी० एस० एन० एल० के थ्रू इंटरनेट का यहां प्रसारण होता है, इंटरनेट आता है। लेकिन वी० एस० एन० एल० के पास क्या कोई ताकत नहीं है या कोई पावर नहीं है कि जो इंटरनेट पर इस तरह के प्रोग्राम्स आ रहे हैं उनको बैन कर सके, उनको रोक सके, उनको ब्लैक आउट कर सके। जैसे हमारी पूजा भट्ट के साथ जो हुआ है उसका खतरा इस देश की तमाम महिलाओं को है। आज पूजा भट्ट के साथ हुआ कल मुम्बई की किसी और फिल्म अभिनेत्री के साथ हो सकता है परसों किसी और संभ्रांत महिला के साथ हो सकता है। हमारी महिलाओं की आबरू की रक्षा के लिए उनको इंटरनेट से बचाने के लिए हमारे पास क्या प्रावधान है यह समझ में नहीं आ रहा है।

तीसरी बात यह है कि इंटरनेट ने अगर इस तरह की अश्लीलता फैलायी है तो उस अश्लीलता के खिलाफ कोई केस रजिस्टर करना चाहिए था और पुलिस के एक्ट में इंडियन पीनल कोड के पास दो ऐसी धाराएं हैं — धारा 292 और धारा 294 इन दो धाराओं के तहत इंटरनेट के खिलाफ कोई केस रजिस्टर किया जाना चाहिए था और एक्शन लिया जाना चाहिए था। लेकिन जहां तक मेरी जानकारी है न तो मुम्बई में और न ही दिल्ली में और न ही दूसरे किसी भी शहर में, किसी भी कोने में अभी तक इंटरनेट के खिलाफ पुलिस ने कोई केस रजिस्टर किया है। मैं जानना चाहता हूं मंत्री महोदय से अगर वे बता सकें कि ऐसी क्या मजबूरी है कि वी० एस० एन० एल० कोई एक्शन नहीं ले सकता है, हमारी पुलिस कोई केस नहीं ले सकती है, सरकार कुछ नहीं बोल पा रही है। आखिर कब तक इंटरनेट को इस तरह से खुला अश्लीलता का प्रचार और एक धर्म विशेष की जो भावनाएं हैं, हमारे से जुड़ी हुई जो धार्मिक भावनाएं हैं उन भावनाओं को आहत करने के लिए छोड़ा जा सकता है। इसका बहुत बुरा असर पड़ेगा। मुझे ऐसा लगता है कि अगर समय रहते हमने इंटरनेट के इस दुष्प्रचार और दुराचार पर रोक नहीं लगायी तो इस देश की बहुसंख्यक जनता, जो इस देश के बहुसंख्यक समाज के लोग हैं उनकी भावनाएं भड़क सकती हैं और मुझे लगता है कि भावनाएं कभी ऐसी भड़क गयीं तो वे सड़क पर आ जाएंगे और जिस दिन सड़क पर आ जाएंगे उस दिन वी० एस० एन० एल० का दफ्तर भी जलाकर राख किया जा सकता है। मुम्बई में कम से कम इस तरह की फीलिंग्स हिंदू लोगों के अंदर आ गयी है। तो मैं सरकार को सावधान करना चाहता हूं मैं सरकार को आगाह करना चाहता हूं कि तत्काल कोई ऐसी व्यवस्था करे कोई ऐसा तंत्र डेवलप करे कोई ऐसा मेकेनिज्म बनाएं ताकि इंटरनेट के ऊपर जो दुष्प्रचार चल रहा है जो अश्लीलता चल रही है, जो नग्नता चल रही है उसको रोके जाने की व्यवस्था हो सके। थैंक्यू मैडम।

RE: RELIANCE — UTI COLLUSION TO HUSH UP SCANDAL OF SWITCHED SHARES

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, you will kindly remember that this House discussed on a number of occasions, of course, with your kind permission, the matter of duplicate shares and switching of shares by Reliance. My friend, Shri Ahluwalia, has always been talking about it. But the most alarming news.....

THE DEPUTY CHAIRMAN: Is it an indication that he should also support you? Or is it an invitation?

SHRI S. S. AHLUWALIA (Bihar): Madam, he knows my views.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I know his views.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): He said it in a pleasing way.

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI S. JAIPAL REDDY): Madam, Mr. Gurudas knows his weakness.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Let us not exploit each others weaknesses.

Madam, the issue is: we have been

discussing the nefarious role of Reliance Industries so far as duplication of shares and switching of shares are concerned. Madam, you had kindly permitted me very generously to raise this issue on a number of occasions. We had demanded of the Government to act on that. Since we demanded it, a number of inquiry Committees were constituted to look into the question of switching of shares. SEBI had appointed a Committee to look into the question of switching of shares by the Reliance Industries. Unfortunately, SEBI has not prepared the final report. Even before that, Madam, I am extremely alarmed to know there is an exchange of letters between the Reliance Industries and the public sector financial institution, i.e. the Unit Trust of India. The Reliance Consultancy Service whose licence has been suspended temporarily or maybe permanently — I don't have the full information — by SEBI, has written a letter to UTI. Just imagine. The letter says, "please don't expect that we shall return the share certificates of the duplicate shares" They are saying that they are not bound to return the share cerficates of duplicate shares because they have become dematerialised. They have used the word 'dematerialised'. What does it mean? It only means that they don't have the share certificates. Everything was fudged. Everything was a fraud a mockery. Therefore, they are not in the possession of the share certificates which they has duplicated and which they had sent to UTI. As a result, what is going to happen? UTI is going to lose money. That is not the only issue. The other issue is, the Reliance Industries will be protected from the charge of criminal conspiracy. It is only to protect the Reliance Industries from the charge of criminal conspiracy that UTI is agreeing — it is a public sector — not to receive, not to further press for the duplicate share certificates. Who has ordered them? Who has empowered them? What could be the reason for such an attempt to cover up and protect the Reliance Industries? The reason is not too far to see. There is a deep nexus and conspiracy going on because UTI had purchased shares from the Reliance Industries which was a private investment at a price which was higher than the market price, at a price higher than SEBI had offerred them had dictated them. It means, the UTI which is the custodian of the savings of the people, has helped the Reliance Industries at the cost of and at the expense of the people. Nearly Rs. 900 crores was the value of the shares that were privately placed with UTI by the Reliance Industries against all norms of market operation. Therefore, there is a collusion between UTI and the Reliance Industries. Madam, you will kindly remember that earlier also I had brought to the notice of the House that UTI had been investing huge funds in the Reliance Industries without any rhyme or reason.

All these questions were raised. Therefore, they are hand in glove with them. They are conspiring together to protect RIL, at whose expense? The interests of the common invester will suffer. The credibility of UTI is going down. The market price of the UTI papers is going down. The UTI is in a bad condition. It is in a bad shape because they are not being properly managed. This is one instance of how UTI's funds are being misused by the UTI authorities. Madam, if the proprietor of MS Shoes could be prosecuted, if the management of ITC, which is in no way more respectable than Reliance, if they could be put behind bars for days and for weeks, what prevents the law enforcement authorities in the country to ensure that the management of Reliance is properly indicted and penalised? Therefore, I plead with my friends in Parliament to call the Government and ask the Government not to allow this cover-up operation of the crime of Reliance. Madam, I want an inquiry. I would like to know whether my information is correct. If my information is correct, I would like to know what the Government is going to do. I wish the entire House would support me in this

fight against corporate delinquency which is overtaking the country.

SHRIMATI JAYAPRADA NAHATA (Andhra Pradesh): Madam, I would like to associate myself with Shri Gurudas Das Gupta.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh): Madam, I raised this issue several times. When we are talking of fiscal control and we are discussing the Finance Bill, the tragedy lies that we are allowing such corporate white collar crimes to get away with murder, nothing less. The UTI, as a public sector unit, has a dual responsibility of being accountable to this country and the Parliament also. Swift action should be taken. The hon. Minister is here and I would like him to come back to the House by tomorrow to tell us about the action they are planning to take against such blatant violation of norms laid down.

RE: VICTIMISATION OF SAMAJWADI PARTY WORKERS IN UTTAR PRADESH

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश): मैडम, मैं आप के माध्यम से, इस सम्मानित सदन, भारत के गृह मंत्री और भारत के प्रधान मंत्री का ध्यान वर्तमान सरकार की साजिश से उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्याओं, समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं/नेताओं का उत्पीड़न और उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाए जाने की ओर आकर्षित करना चाहता हूं।

मैडम, जब से यह उत्तर प्रदेश की सरकार बनी है, उत्तर प्रदेश में लगभग 70 समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं की हत्या हो गयी है। महोदया, काशी विद्या पीठ इस देश की एक बड़ी संख्या है, श्री राम प्रकाश पांडे जो कि समाजवादी पार्टी के थे, वहां के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। वह समाजवादी पार्टी के समर्थन से चुनाव जीते। उस के ठीक दूसरे दिन वहां के अध्यक्ष श्री राम प्रकाश पांडे, सुनील राय जोकि उत्तर प्रदेश, समाजवादी पार्टी के उपाध्यक्ष और 3 अन्य कार्यकर्ताओं पर प्राणघातक हमला किया गया जिस में श्री राम प्रकाश पांडे, सुनील राय और दो अन्य समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं की मौके पर ही मृत्यु हो गयी और वाराणसी के युवा समाजवादी पार्टी अध्यक्ष सर सुंदर लाल अस्पताल में जीवन और मौत से जूझ रहे है। इसी तरह इटावा जिले की हमारी पार्टी के नेता और भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष श्री तारा सिंह की भी हत्या गोली मारकर कर दी गयी।

मैडम, इस तरह 70 लोगों की हत्याएं उत्तर प्रदेश के अंदर की गयी है जिस के ऊपर यह सरकार और भारत के गृह मंत्री कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

मैडम, जब श्री राम प्रकाश पाण्डे और सुनील राय वगैरह की बनारस में हत्या हुई तो हमारी उत्तर प्रदेश की पार्टी ने कहा कि इसका विरोध दिवस शांतिमय ढंग से पूरे उत्तर प्रदेश में मनाया जाए। तो हर जिले में शांतिमय ढंग से, जनतांत्रिक तरीके से समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इन हत्याओं के विरोध में विरोध दिवस मना रहे थे, जिसमें हरदोई के हमारे एम० एल० ए० है समाजवादी पार्टी के धर्मज्ञ मिश्रा, वह भी जनतांत्रिक तरीके से इसका विरोध कर रहे थे, तो प्रशासन ने सरकार के इशारे पर, मैं कहूंगा कि उत्तर प्रदेश की वर्तमान जो मुख्यमंत्री हैं, उनके इशारे पर, धर्मज्ञ मिश्रा और 21 अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया। यह 22 लोग 10 अप्रैल से अभी जेल, में है, इनमें हमारी पार्टी के नेता हैं। इनके खिलाफ आज तक कोई मुकदमा नहीं है, उनको जेल में डाल दिया गया है।

मैडम, सबसे आश्चर्य की बात है कि इनमें सब स्टेटस वाले व्यक्ति हैं, जिनमें एम० एल० ए० हैं, अध्यक्ष है, एम० एल० सी० हैं, डाक्टर हैं, इंजीनियर हैं, बिजनेसमैन है, इन्कम टैक्स पेयर्स हैं, लेकिन किसी को भी सुपीरियर क्लास नहीं दी गई। जेल में भी सरकार के इशारे पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया और उनसे भेंट नहीं करने दी जा रही है। हमारे एक कार्यकर्ता को हार्ट-अटेक भी हो गया, जो जेल, में बंद था। एक कार्यकर्ता, हीरा लाल पासी, के घर पर डकैती पड़ी, उसने प्रार्थना की कि उसका पूरा घर लूट लिया गया है उसे घर जाने की इजाजत दी जाए, लेकिन उसको इजाजत नहीं दी गई। इसी तरह एक हमारा कार्यकर्ता, जो वहां जेल में बंद है, उसकी बहन की शादी थी, अनुरोध किया गया कि उसे अपनी बहन की शादी में एक दिन शरीक होने दिया जाय, लेकिन शरीक नहीं होने दिया।

मैडम, हजारों लोगों को इस सरकार ने जेल में डाल दिया है केवल राजनैतिक द्वेष के कारण। राजनैतिक द्वेष के कारण सरकार समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं पर हमला कर रही है और मुझे यह जानकारी मिली है, मैडम, कि इस सरकार ने, वर्तमान सरकार जो भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन की सरकार है, इस